भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5037

दिनांक 1 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

ब्याज समतुल्यीकरण योजना

5037. डॉ. मल्लू रविः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ब्याज समतुल्यीकरण योजना ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान निर्यातकों को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान की है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है साथ ही विषेषकर तेलंगाना राज्य में इससे सर्वाधिक लाभांवित होने वाले क्षेत्र और प्रदेष कौन–से हैं?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख) जी हां। वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान ब्याज समतुल्यकरण योजना (आइइएस) के तहत पूरे देश में निर्यातकों को वित्तीय सहायता के रूप में 3699.9 करोड़ रुपये की राशि संवितरित की गई।

प्रमुख क्षेत्र जो तेलंगाना राज्य में इस योजना से अधिकतम लाभ प्राप्त करते है वे निम्नानुसार हैंः कॉफी, चाय या मेट और संबंधित विनिर्मितियों के अर्क, सार और सांद्रय, भूना हुआ चिकोरी और अन्य भुने हुए कॉफी विकल्प; काली मिर्च और कैप्सिकम या पिमेंटा प्रजाति के सूखे या पिसे हुए फल; जूट और अन्य टेक्सटाइल बास्ट फाइबर (सन, *ट्रहेम्प* और रेमी को छोड़कर), कच्चे या संसाधित; चिकित्सीय या रोगनिरोधी उपयोग के लिए औषधीय संरचनात्मक घटक और भाग (पूर्वनिर्मित इमारतों को छोड़कर); विद्युत विषेषताओं के बिना मशीन के पुर्जे; चावल; ग्रेनाइट, बलुआ पत्थर और अन्य ब्लॉक्स या स्लैब में कटे हुए स्मारकीय या इमारत के पत्थर कीलें, छोटी कीलें, स्टेपल और इसी तरह की लोहे या इस्पात की वस्तुएं (तांबे के सिरे वाले को छोड़कर) और विद्युत ट्रांसफार्मर, स्थैतिक कन्वर्टर्स और इन्डक्टर।

*****